कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS • IPS • MPPSC • CJ-II

CURRENT AFFAIR

19th JULY 2023

1. नाइजीरिया (राजधानी: अबुजा)
2. राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक
3. निर्यात तैयारी सूचकांक 2022
4. भारत-म्यांमार- थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग

नाइजीरिया (राजधानी: अबुजा)

- **नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टिनुबू** ने खाद्य पदार्थों की कमी और बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए देश में आपातकाल की घोषणा कर दी है।
- सरकार ईंधन सब्सिडी वापस लेने से हुई बचत से किसानों को उर्वरक तथा बीज उपलब्ध करा रही है। फिरौती के लिए किसानों के अपहरण की घटनाओं को देखते हुए उनकी सुरक्षा भी बढा दी गई है।
- देश की गरीब आबादी को छह महीने तक **हर महीने 10 डॉलर की सहायता** भी दी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की जनवरी में आई रिपोर्ट में कहा गया था कि नाइजीरिया में ढाई करोड लोगों पर इस वर्ष खाद्य असुरक्षा का खतरा मंडरा रहा है।
- नाइजीरिया की एक वेबसाइट के अनुसार देश में **जून 2022** तक एक वर्ष में **350 से अधिक किसानों** का अपहरण या उनकी हत्या कर दी गयी थी।
- यह देश अफ्रीका के पश्चिमी तट पर अवस्थित है।
- इस देश की उत्तरी सीमा नाइजर से, पूर्वी सीमा चाड और कैमरून से, दक्षिणी सीमा अटलाटिक महासागर की गिनी की खाड़ी से तथा पश्चिमी सीमा बेनिन से लगती है।
- यह अफ्रीका का **सबसे अधिक आबादी वाला देश** है।

➔ **प्रमुख नदियां :** नाइजर, बेनु आदि।

➔ **सबसे ऊंची चोटी :** चैपाल वड्डी।

➔ नाइजीरिया के अधिकतर भाग पर मैदानों और सवाना घास भूमि का विस्तार है।

➔ अक्सर इस देश को **"जायंट ऑफ अफ्रीका"** कहा जाता है।

राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक

- हाल ही में **नीति आयोग** की ओर से जारी की गई राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट में यह तथ्य उजागर किये गए हैं। यह सूचकांक स्वास्थ्य शिक्षा और जीवन स्तर से जुड़े **कुल 12 मानकों** पर आधारित हैं।
- बहुआयामी गरीबी में कमी लाने में केंद्र और राज्य सरकारों की गरीब कल्याण योजनाओं की बड़ी भूमिका है।
- **यह रिपोर्ट 2019-21** के नवीनतम **'राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण'** के आधार पर तैयार किया गया है और **'यह राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक'** (MPI) का दूसरा संस्करण है।

- नवीनतम **'राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण'** [NFHS-5 (2019-21)] के आधार पर **'राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक'** (MPI) का यह दूसरा संस्करण दोनों सर्वेक्षणों, NHFS-4 (2015-16) औरNHFS-5 (2019-21) के बीच बहुआयामी गरीबी को कम करने में भारत की प्रगति को दर्शाता है।
- इसे नवम्बर 2021 में लॉन्च किए गए भारत के MPI की बेसलाइन रिपोर्ट के आधार पर तैयार किया गया है।
- नीति आयोग ने 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तथा 707 प्रशासनिक जिलों के लिए **'बहुआयामी गरीबी अनुमान'** पर रिपोर्ट प्रस्तुत किया।
- रिपोर्ट में बहुआयामी गरीबों के अनुपात में सबसे तेज़ कमी उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, ओडिशा और राजस्थान में देखी गई।
- उत्तरप्रदेश में गरीबों की संख्या में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई और 3.43 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकल गये हैं।
- केंद्रशासित प्रदेशों के साथ-साथ **दिल्ली, केरल, गोवा** और **तमिलनाडु** में बहुआयामी गरीबी का सामना करने वाले लोगों की संख्या सब से कम है।
- रिपोर्ट के अनुसार, 2015-16 और 2019-21 के बीच रिकॉर्ड 13.5 करोड़ लोग बहु आयामी गरीबी से बाहर निकले।
- रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में बहुआयामी गरीबों की संख्या में 9.89 प्रतिशत अंकों की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है, जो 2015-16 में 24.85% से घट कर 2019-2021 में 14.96% हो गई है।

- ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में सबसे तेज गिरावट हुई है और यह 32.59% से घटकर 19.28% हो गई है।इसी अवधि के दौरान, शहरी क्षेत्रों में गरीबी 8.65% से घटकर 5.27% हो गई है।
- 2015-16 और 2019-21 के बीच, MPI मूल्य 0.117 से लगभग आधा होकर 0.066 हो गया है और गरीबी की तीव्रता 47% से घटकर 44% हो गई है।
- भारत 2030 की निर्धारित समय सीमा से काफी पहले SDG लक्ष्य 1.2 (बहुआयामी गरीबी को कम से कम आधा कम करने का लक्ष्य) को हासिल करने के पथ पर अग्रसर है।
- इससे सतत और सबका विकास सुनिश्चित करने और वर्ष 2030 तक गरीबी उन्मूलन पर सरकार कारण नीतिक फोकस और SDG के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का पालन परिलक्षित होता है।
- **राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI)**
  - राष्ट्रीय MPI स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के तीन समान रूप से भारितआयामों में एक साथ अभावों को मापता है, जो 12SDG-संरेखित संकेत कों द्वारा दर्शाए जातेहैं।
  - इनमें पोषण, बाल और किशोर मृत्युदर, मातृस्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, खाना पकाने का ईंधन, स्वच्छता, पीनेकापानी, बिजली, आवास, संपत्ति और बैंक खाते शामिल हैं।

Indicators and their weights

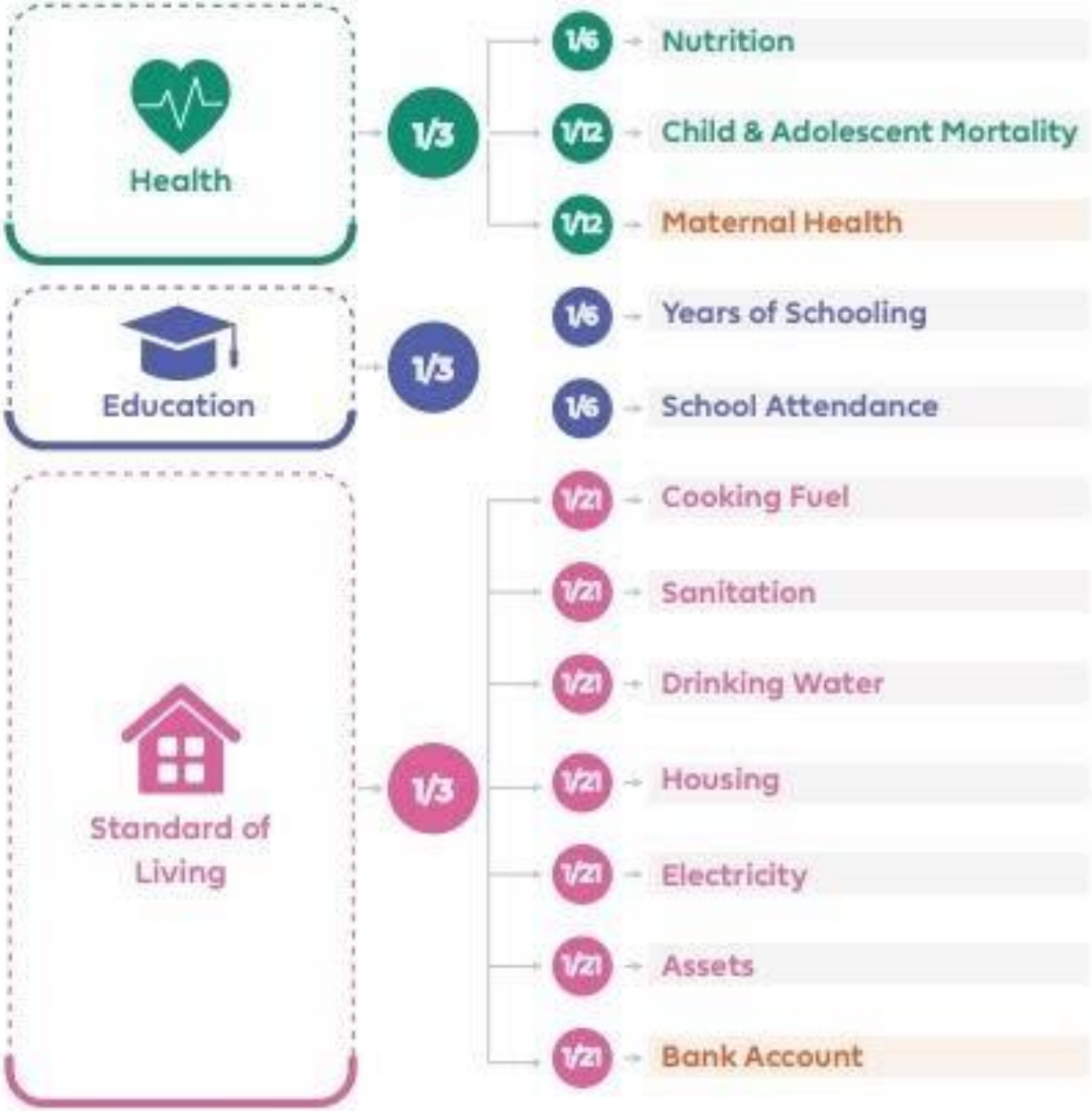

➔ नीति आयोग

- आजादी के बाद USSR की तर्ज पर 1950 में योजना आयोग का गठन किया गया था।
- 2014 में केंद्र सरकार ने योजना आयोग को भंगकर 1 जनवरी 2015 को नीति आयोग का गठन किया गया।
- योजना आयोग की तरह नीति आयोग भी भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रि मंडल द्वारा बनाया गया।
- 'राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान 'यानी नीति आयोग सरकार के लिए एक थिंक टैंक के रूम में काम करता है।
- नीति आयोग के अध्यक्ष प्रधान मंत्री होते हैं।
- अध्यक्ष के अलावा एक उपाध्यक्ष और एक कार्य कारी अधिकारी होता है। इनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है।
- वर्तमान में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी और सीई ओबी.वी.आर. सुब्रमण्यम हैं।
- नीति आयोग के अन्य सदस्य डॉ. वी.के. पॉल और डॉ. अरविंद विरमानी हैं।

निर्यात तैयारी सूचकांक 2022

- **नीति आयोग** के निर्यात तैयारी सूचकांक 2022 में **महाराष्ट्र** और **गुजरात** को पीछे छोड़कर तमिलनाडु शीर्ष राज्य बन गया है।
- सूचकांक का उद्देश्य राज्यों की निर्यात क्षमता और प्रदर्शन के लिहाज से उनकी तैयारी का आकलन करना है।
- आयोग ने **17 जुलाई 2023** को जारी रिपोर्ट में कहा कि सूचकांक के तीसरे संस्करण में तमिलनाडु ने कुल 80.89 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।
- महाराष्ट्र 78.20 अंक के साथ दूसरे और कर्नाटक 76.36 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा।
- पिछले दो संस्करणों में शीर्ष पर रहा गुजरात इस बार 73.22 अंक के साथ चौथे स्थान पर चला गया।
- तटीय राज्यों की रैंकिंग में इसके बाद आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और केरल का स्थान रहा।
- पहाड़ी/हिमालयी राज्यों में उत्तराखंड शीर्ष स्थान पर है। इसके बाद **हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम, नागालैंड, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश** और **मिजोरम** का स्थान है।
- भूमि से घिरे राज्यों में हरियाणा शीर्ष पर है. इसके बाद **तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश** और **राजस्थान** का स्थान रहा।

- केंद्र शासित प्रदेशों और छोटे राज्यों की श्रेणी में गोवा को पहला स्थान मिला। इसके बाद **जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, अंडमान और निकोबार** और **लद्दाख** का स्थान था।
- नीति आयोग के सीईओ **बी वी आर सुब्रमण्यम** ने कहा कि देश के निर्यात में मूल रूप से राज्यों की बड़ी भूमिका है, क्योंकि निर्यात के लिए पूरा परिवेश राज्यों में होता है।
- रिपोर्ट में कहा गया कि निर्यात के लिहाज से गुजरात का जामनगर देश का शीर्ष जिला है। इसके बाद **सूरत, मुंबई, पुणे, भरूच, कांचीपुरम, अहमदाबाद, गौतम बुद्ध नगर** और **बेंगलुरु** का स्थान रहा।
- ईपीआई चार स्तंभों – नीति, व्यापार इकोसिस्टम, निर्यात इकोसिस्टम और निर्यात प्रदर्शन- के आधार पर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रदर्शन का आकलन करता है। प्रत्येक स्तंभ में उप-स्तंभ शामिल किए गए हैं, जो प्रासंगिक संकेतकों का उपयोग करने के साथ राज्य के प्रदर्शन को प्रस्तुत करते हैं।
- नीति आधारित स्तंभ राज्य और जिला स्तर पर निर्यात-संबंधित नीति इको सिस्टम के साथ-साथ इस इको सिस्टम से संबंधित संस्थागत व्यवस्था को अपनाने के आधार पर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है।
- व्यापार इकोसिस्टम- किसी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में मौजूदा कारोबारी माहौल के साथ-साथ कारोबार में सहायता देने वाली अवसंरचना के विस्तार और राज्य/केंद्रशासित प्रदेश की परिवहन संपर्क सुविधा का आकलन करता है।

- निर्यात इको सिस्टम- किसी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में निर्यात-संबंधित अवसंरचना के साथ-साथ निर्यातकों को प्रदान किए जाने वाले व्यापार समर्थन और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में अनुसंधान और विकास की वर्तमान स्थिति पर ध्यान केंद्रित करता है।
- निर्यात प्रदर्शन एक उत्पादन आधारित संकेतक है, जो पिछले वर्ष की तुलना में राज्य के निर्यात की वृद्धि का आकलन करता है और वैश्विक बाजार में इसकी **निर्यात सघनता** और **फुटप्रिंट** का विश्लेषण करता है।

Export Preparedness Index (EPI) 2022: Rankings

Rank	State	Category	Score
1	Tamil Nadu	Coastal	80.89
2	Maharashtra	Coastal	78.20
3	Karnataka	Coastal	76.36
4	Gujarat	Coastal	73.22
5	Haryana	Landlocked	63.65
6	Telangana	Landlocked	61.36
7	Uttar Pradesh	Landlocked	61.23
8	Andhra Pradesh	Coastal	59.27

भारत-म्यांमार- थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग

- **विदेश मंत्री एस जयशंकर** ने हाल ही में अपने म्यांमार समकक्ष **थान स्वे** से मुलाकात की जिसमें कनेक्टिविटी पहल विशेष रूप से भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग के बारे में चर्चा हुई।
- भारत-म्यांमार-थाईलैंड राजमार्ग एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय कनेक्टिविटी परियोजना है जिसका उद्देश्य भारत, म्यांमार और थाईलैंड के बीच सड़क संपर्क स्थापित करना है।
- इस राजमार्ग की **कुल दूरी लगभग 1,360 किमी** (845 मील) है जो भारत के मणिपुर में मोरेह से शुरू होती है और म्यांमार से होकर थाईलैंड के माई सॉट पर समाप्त होती है।
- यह पहली बार **पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी** द्वारा प्रस्तावित किया गया था और 2002 में भारत, म्यांमार और थाईलैंड के बीच मंत्री-स्तरीय बैठक में इसे मंजूरी दी गई थी।
- इस राजमार्ग का निर्माण कार्य 2012 में शुरू हुआ और इसे कई चरणों में क्रियान्वित किया जा रहा है।
- भारत-म्यांमार मैत्री सड़क इस राजमार्ग का पहला खंड बनाती है जो तमू/मोरेह की सीमा से कालेम्यो और कालेवा तक शुरू होती है।
- भारत ने **अय्यावाडी-चाओ फ्राया-मेकांग आर्थिक सहयोग रणनीति (ACMECS)** के पूर्व-पश्चिम गलियारे के साथ भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग को कंबोडिया, लाओस और वियतनाम तक विस्तारित करने का प्रस्ताव दिया है।

➔ **3,200 किलोमीटर** के विशाल नेटवर्क को कवर करने वाला यह व्यापक बुनियादी ढांचा विकास, भाग लेने वाले देशों के बीच व्यापार, आर्थिक सहयोग और कनेक्टिविटी को बढ़ाने, क्षेत्रीय एकीकरण को और मजबूत करने की क्षमता रखता है।
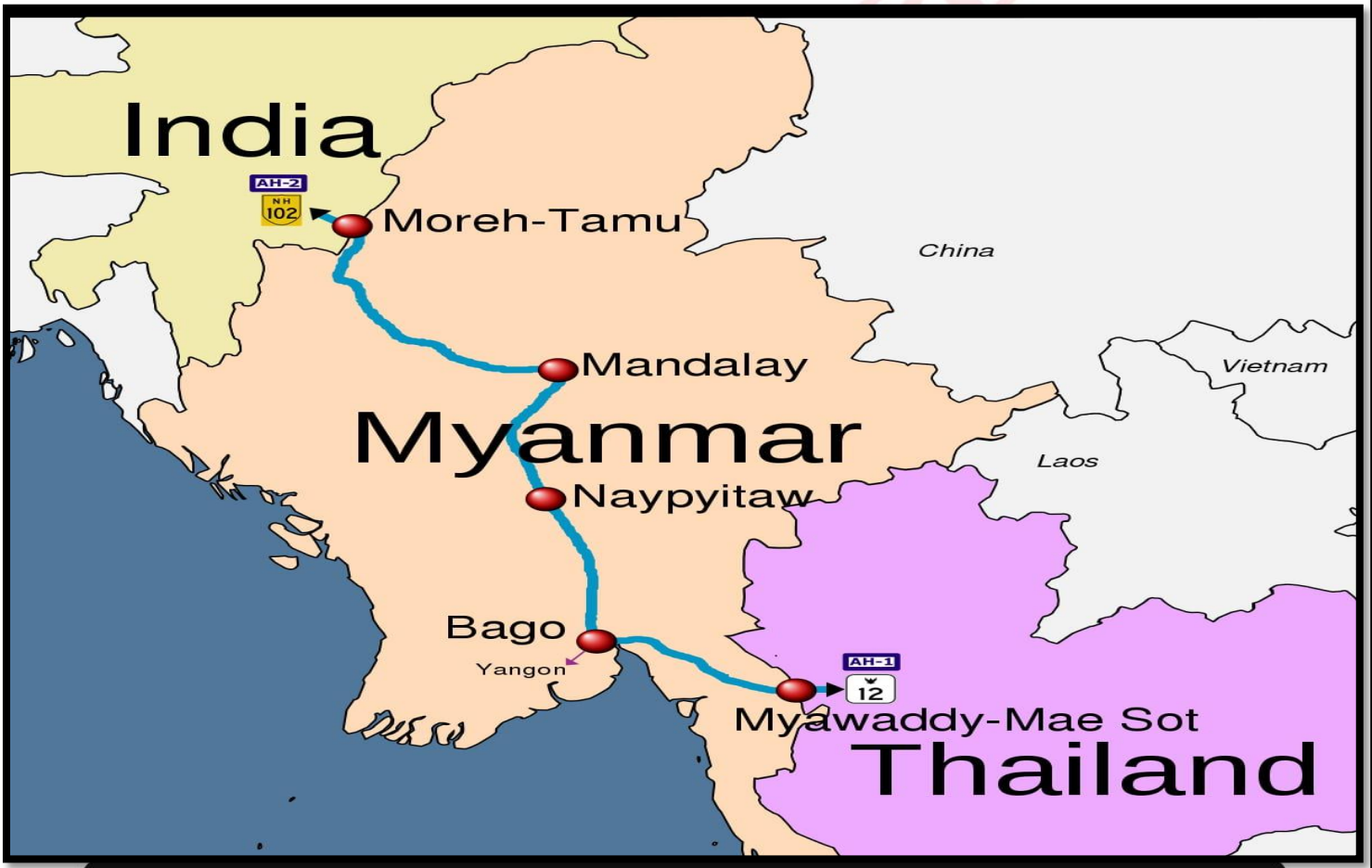
➔ **कार्यान्वयन एजेंसियां :** भारतीय पक्ष में, परियोजना को विदेश मंत्रालय (एमईए) द्वारा म्यांमार और थाईलैंड में अपने समकक्षों के सहयोग और वित्त मंत्रालय से बजटीय आवंटन के साथ कार्यान्वित किया जा रहा है।